



33



FOR DESIGN

32



वक्रांड
महाकाय
शयकोटी
सुभाप्रभ
निर्विघ्नम्
कुरु मे
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा

FOR DESIGN

33



वक्रांडं
महाकायं
शशकोटीं
शमप्रभं
निर्विघ्नम्
कुरु मे
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा

FOR DESIGN

35



FOR DESIGN





36



40



वक्रांडं
महाकायं
शुभं कौटो
शमप्रभं
निर्विघ्नं
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा









1



FOR DESIGN



2



FOR DESIGN





वक्रतुंड
महकाय
शयकवि
समप्रभ
निविघ्नम
कुरुमे
देव शर्व
कार्येषु शर्वदा

FOR DESIGN



4



FOR DESIGN



5



FOR DESIGN



6



FOR DESIGN



7



FOR DESIGN



8



FOR DESIGN



9



FOR DESIGN



10



FOR DESIGN



Your Logo
Here

ॐ

वक्रांडं
महाकायं
समकालं
समाप्रभं
निर्विघ्नम्
कुर्वन्
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा



FOR DESIGN



Your Logo
Here

गणपति
बाप्पा
माय्या



Your Logo
Here

वक्रांडं
महाकायं
समकीर्णं
समप्रभं
निविष्टमं
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा







15



वक्रतुंड
महाकाय
शयकाली
शयप्रभ
निविष्टम
कुरुमे
दत्त शर्व
कार्येषु शर्व

वक्रतुंड



16



FOR DESIGN



17



FOR DESIGN





FOR DESIGN







Your Logo
Here

वक्रांडं
महाकायं
शम्भुकोटि
शम्भुप्रभं
निविष्टं
कुशुमं
देवशर्व
कार्येषु शर्वदा



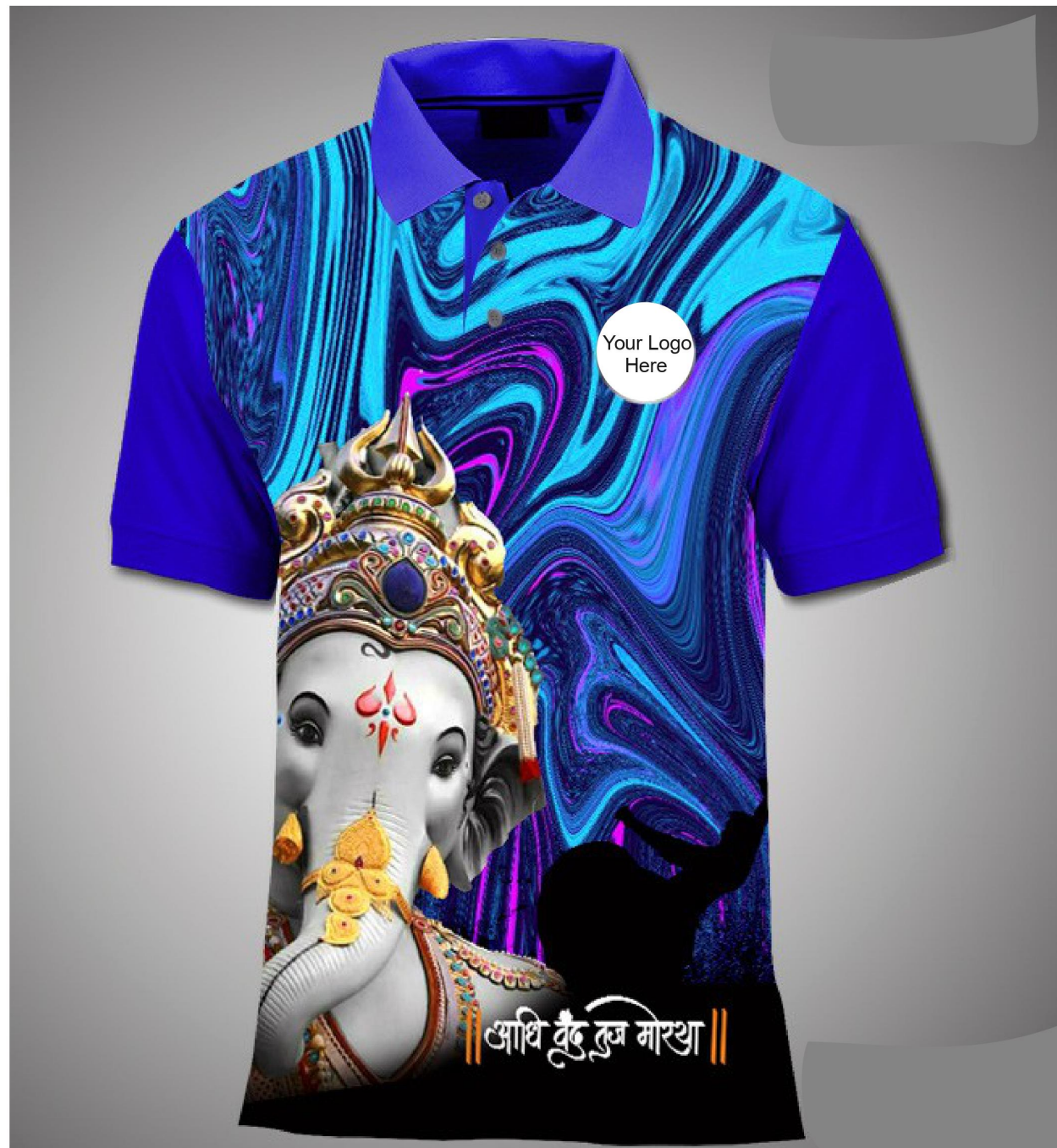




22



आधी वंद
तुज
मोरया







24





25











वक्रपंड
महाकाय
शयकोटि
समप्रभ
निर्विघ्नम्
कुरु मे
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा















वक्रतुंड
महाकाय
शयकोटि
समाप्रभ
निर्विघ्नम्
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा

31



बघतोस काय...
(मूजरा कर!)











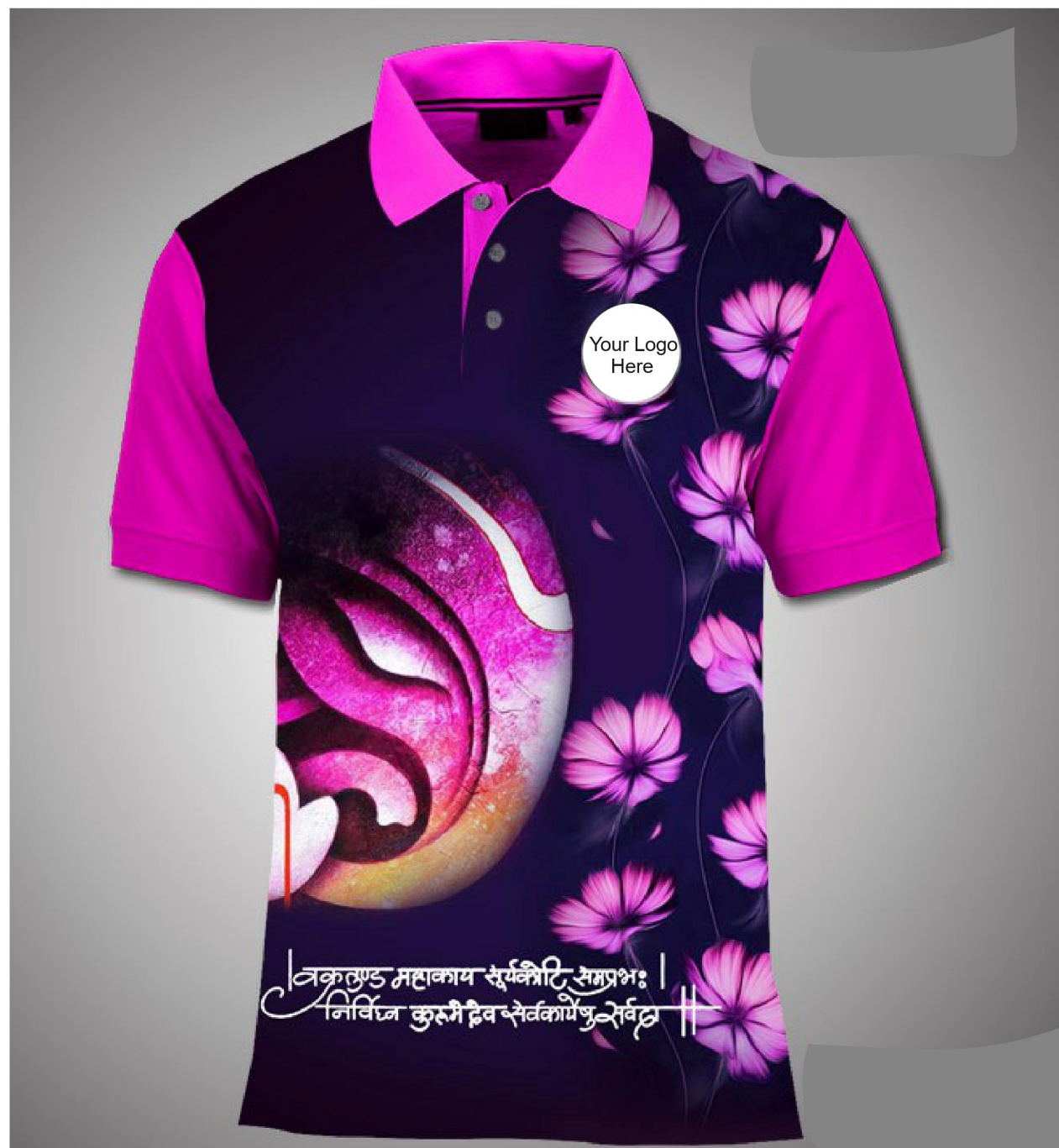
Your Logo
Here

वक्रांतं
महाकाय
शयकोटी
शयप्रभ
निर्विघ्नम्
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा









Your Logo
Here

॥ कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

36





Your Logo
Here

राजा शिव
छत्रपती





Your Logo
Here

वक्रतुंड
महाकाय
शम्भुकौटिल
शुभाग्रम
निर्विघ्नम
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा

आधी वंद
तुज
मोरया









Your Logo
Here

ब्रह्मर्षि यज्ञोक्तं मुनिभिः पुनरुक्तं
उपनिषद्ब्रह्मसूत्रं श्रीगणेशाय नमः

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

40



वक्रांडं
महाकायं
शुभं कौटिल्यं
निर्विघ्नं
कुरुते
देव सर्व
कार्येषु सर्वदा



Your Logo
Here



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥









Your Logo
Here

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

45













50



FOR
DESIGN



51



FOR
DESIGN



52



FOR
DESIGN



54



FOR
DESIGN

54



FOR
DESIGN

54



FOR
DESIGN

57



FOR
DESIGN

58



FOR
DESIGN

59



FOR
DESIGN

61



FOR
DESIGN

62



FOR
DESIGN

63



FOR
DESIGN

64



FOR
DESIGN

65



FOR
DESIGN

66



FOR
DESIGN

67



FOR
DESIGN

68



FOR
DESIGN

69



FOR
DESIGN

70



FOR
DESIGN

71



FOR
DESIGN

72



FOR
DESIGN

73



FOR
DESIGN

74



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे द्वैव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

FOR
DESIGN

75



FOR
DESIGN

76



FOR
DESIGN

78



FOR
DESIGN

79



FOR
DESIGN

80



FOR
DESIGN

81



वक्राण्ड महाकाय सूर्यवेदि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

FOR
DESIGN

82



FOR
DESIGN

83



FOR
DESIGN

84



FOR
DESIGN

85



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

FOR
DESIGN

86



FOR
DESIGN

87



FOR
DESIGN

88



FOR
DESIGN

89



FOR
DESIGN

90



FOR
DESIGN

91



FOR
DESIGN

92



FOR
DESIGN

93



FOR
DESIGN

94



FOR
DESIGN

95



FOR
DESIGN

96



FOR
DESIGN

97



FOR
DESIGN

98



॥ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

FOR
DESIGN

100



FOR
DESIGN





महात्मा बहुकार्य
अधिकार आनयन।
विष्णु कुरु विष्णु
अनकार्य अवान।

विष्णुहता















प्रि

















25





वक्रतुण्ड महाकाय

सुयक्तीर्णः सर्वप्रभुः

त्रिविधः कुरु मे देव

सर्वकार्येषु सर्वदा

सुयक्तीर्णः
विष्णुहर्ता

सुयक्तीर्णः
विष्णुहर्ता

सुयक्तीर्णः
विष्णुहर्ता





13



FOR DESIGN

14



FOR DESIGN

16



FOR DESIGN

20



2



FOR DESIGN

4



FOR DESIGN

8



FOR DESIGN

15



वक्रतुंड
महाकाय
शयकोटी
दशप्रभ
निविष्टम
कुरुमे
देव सर्व
कार्येषु शर्व

वक्रतुंड

FOR DESIGN



FOR DESIGN

7



FOR DESIGN

17



FOR DESIGN

10



FOR DESIGN



FOR DESIGN



FOR DESIGN

1



FOR DESIGN



12



FOR DESIGN

5



FOR DESIGN

6



FOR DESIGN

9



वक्रांडं
महोकाय
शम्भकोटी
शम्भप्रभ
निर्विघ्नम्
कुरुते
देव शर्व
कार्येषु शर्वद

FOR DESIGN

24





25



22



आधी वंद
तुज
मोरया









